FACULTY OF ARTS

SYLLABUS

MASTER OF ARTS

(HINDI)

JODHPUR NATIONAL UNIVERSITY

JODHPUR

एम. ए. ह द

पूवा

थम प ह ह्सा ह यका इतिहास

तीय प सा ह श्था - भारतीय तथा पा ा य

तृतीय प ाचीन्का य

चतुथ प म यकालीन्का य

उ रा

पंचम प ग सा ह य

ष प आधुनिक का य

स म प वशि सा ह यकारतुलसीदास

अ म प निबंध

नवम प उ ोग्आधा रत्पया वरण्अ ययन

थम प : ह ला ह का इतिहास

थम करण

आ दकाल

ह ला ह के आर भक पृ भूमि, काल वभाजन, स , नाथ और जैन सा ह , य मुखरासो का य एवं उनक मा णकता, आ दकालीन फुटक वता, आ दकालीन सा ह क सामा य वशेषताएं

तीय करण

भ काल

भ आंदोलन क पृ भूमि और उसक परेखा, निगु णभ - का यधारा का व , प सगुण भ - का यधारा, रामभ एवं कृ णभ शाखा के मुखक व और उनका का य, मुखसंत क व, भ कालीन `मा या का यपर परा, भ कालीन का य क सामा य वशेषताएं

तृतीय करण

र तिकाल

र तिकाल का नामकरण, र तिका क पृ भूमि, दरबार सं कृति और र तिका , य ह ल ण ंथ क पर परा, र तिब तथा र तिमु का य एवं मुखक व मुख वशेषताएं, र तिकाल क अ य वृ (वीर, भ और नीति का य)

चतुथ करण

आधुनिक का य का य वकास

सन् 1857 क ांति और सां कृतिक पुनजा गरण, भारत दु युगीन क व एवं का य, वेद युगीन क व एवं का य, रा ीय का यधारा के मुखक व एवं उनका का य, छायावाद, गतिवाद, योगवाद, नई क वता, साठो र क वता- व , प वशेषताएं एवं मुखक व

पंचम   करण

आधुनिक काल (ग   वकास)

हंद ग   का उ   व और   वकास, ह   द प   यास, नाटक, कहानी, निबंध और अ   य मुख ग   वधाओं का   वकास,   वातं   यो गर सा   ह यक   वृ |यां

सहायक पु   तक

1. ह   द सा   ह   य का इतिहास - रामचं   शु   ल, काशी नागर   चा   रणी सभा, वाराणसी|
2. आधुनिक   ह   द सा   ह   य का   वकास - डॉ.   ीकृ   ण लाल,   ह   द प   रषद   व   व   ,ालय याग|
3. ह   द सा   ह   य का उ   व और   वकास - हजार   साद   ववेद
4. आधुनिक सा   ह   य क भूमिका - डॉ. ल   मीसागर वा   ण य ह   द प   रषद   व   व   ,ालय याग|
5.   वतं   यो   र ह   द सा   ह   य का   वकास - डॉ. ल   मीसागर वा   ण|य

तीय   : सा   ह   य शा   - भारतीय तथा पा   ा   य

थम करण	रस स दाय और व न स दाय से स बंधित एक
तीय करण	अलंकार, र ति, औचि य सं दाय से स बंधित एक
तृतीय करण	पा ा य का य शा - अर तू का वरेचन सि ांत, ल जाइनस का उदा त व, ोचका अभि यंजनावाद, ट .एस. इलियट का नि य कतिकता का सि ांत, कॉल रज का क पना सि ांत
चतुथ करण	पा ा य आलोचना प तियाँ - मनो व `षणा म, मा स वाद एवं अ त ववाद
पंचम करण	आलोचना के भेद एवं सा ह य क व वध वधाएं (महाका य, खंडका य, गीत, द घ क वता, उप यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना, जीवनी, आ मकथा, सं मरण, रेखाचि)

सहायक थ

1. का यशा - डॉ. भागीरथ मि , व व ालयकाशन,गोरखपुर|
2. भारतीय का यशा - पं. बलदेव उपा याय|
3. पा ा यका वसि ांत-डॉ. शा त वगु प|
4. समी ालोक- डॉ. भगीरथ द | त
5. पा ा यका यशा का इतिहास - तारकनाथ बाली|

तृतीय प : ाचीनका य

पा य थ

1. पृ वीराजरासो (प ावतीसमय) - चंदवरदाई
2. जायसी ंथावली- रामचं शु ल- (केवल सिंहलद पखंड, मानसरोदक खंड, नखशिख वण नखंड, नागमती वयोगखंड)
3. कबीर वचनामृत - सं. डॉ. वजये नातक,नेशनल प लशिंगहाउस, नई द ली
4. व ापतिआनद काशद - स्तन काशनमं दर,आगरा |

एक या याओंस बंधित, येकका यपु तकसे एक-एक या या एक समी ा मक , येकका यपु तकसे एक-एक |

सहायक थ

1. रासो वमश- डॉ. माता सादगु
2. म ययुगीन `मा याका य- डॉ. याममनोहर पा डेय,मि काशन इलाहाबाद
3. ह द सा ह यका निगु णस दाय-डॉ. पीता बरद बड़ वाल
4. कबीर सा ह यक परख - परशुराम चतुव द
5. कबीर - हजार साद वे,द ह द थ ाकर,ब बई

चतुथ प : म यकालीनका य

पा य थ

1. मरगीतसार- सूरदास - सं. रामचं शु ल,101 से 300 व पद तक
2. वनय प क (छ रा) - तुलसीदास
3. बहारर ाकर- बहार थम 200 दोहे
4. मीरां पदावली - श भूसिंहमनोहर
5. घनानंद क व - सं. व नाथ सादमि - थम 50 छ द्र . सर वती मं दर वाराणसी

सहायक थ

1. सूर क का यकला- डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय सा ह य मं दर, द ली
2. अ छाप और व लभ स दाय- डॉ. द नदायलगु , ह द सा ह य स मलेन, याग
3. गो वामीतुलसीदास - रामचं शु ल, नागर चा रणी सभा, वाराणसी
4. तुलसी और उनका युग - जय कशन सादर व काशन, आगरा
5. मीरां - सुधाकर पा डेय

एम. ए. (ह)द्वि रा पर ा

पंचम प - ग सा ह य

पा यपु तक

1) बाणभ ट्क आ मकथा- हजार साद वेद

2) क मु - जयशंकर साद

3) निबंध सं ह-

1. श क्त आकष णश - ताप्नारायण मि

2. मजदूर और `म सरदार पूण सिंह

3. मेर असफलताएं - गुलाबराय

4. क वता या है - रामचं शु ल

5. भारतीय सं कृति के वर- महादेवी वमा

6. कला और सं कृति- वासुदेव शरण अ वाल

7. कुटज - हजार साद वेद

8. आ थ और स दय- राम वलास शमा

9. वकलांग का दौर - ह रशंकर परसा

10. अंगद क नियति - व ानिवास मि

11. - अभिसार - कुबेरनाथ राय

12. नया रचने का अथ - ीराम प रहार

4) कहानी सं ह

1. इ दुमती - कशोर लाल गो वामी, सर वती भाग 1, सं या 6

2. ठाकुर का कुआ - `मचंद

3. गुंडा - जयशंकर साद

4. पदा - यशपाल

5. शरणदाता - अ `य

6. खोई हुई दशाएं- कमले र

7. यह सच है - म न्नुभंडार

8. इ ह्मभी इंतज़ार है - शिव सादसिंह

9. वारेन हे टं क्मसांड - उदय काश

10. मेरे देश क्मि ट- मृदुला गग

सहायक पु तक

1. ह दक्का ग - सा ह यडॉ. रामचं तिवार , व व ालक्काशन्वाराणसी
2. ह दउप यास(नवीन सं करण- शिवनारायण ीवा त्वश्मर वती काशन्वाराणसी
3. उप यास थअिौर गति - डॉ. चं कांत्म. बां दवडेकर्वाणी काशन द ली
4. कहानिय क शि प वधिक्का वकास- डॉ. ल मीनारायणलाल, सा ह भवन (.) लिमिटेड, इलाहाबाद
5. ह दकहानी का वकास- मधुरेश

ष प : आधुनिक का य

पा य थ

1. कामायनी - जयशंकर साद(केवल - 'चिंता', ' ', 'ल जातथा इड़ा सग)
2. साकेत - मैथिलीशरण गु (केवल नवम सग)
3. कु ` - दनकर(2,3 व 4 सग)
4. अंधायुग - धम वीभ्मारती

सहायक थ

1. कामायनी म का य़सं कृतिऔर दश न- डॉ. ा रका सादस सेन्ा वनोद पु तक्मं दर्आगरा
2. का मीर्शैवदश न्औौर कामायनी - डॉ. भंवरलाल जोशी, चौख भास्ं कृत्सीर ज़ वाराणसी

3. नई क वताक खोज - रामधार सिंह दनकर, सदयाचल काशन, पटना
4. शु क वताक खोज - रामधार सिंह दनकर, सदयाचल काशन, पटना
5. क वताके नए तिमान- नामवर सिंह

स म प - वशि सा ह यकार

पा य : थ

1. रामच रतमानस- तुलसीदास (केवल अयो याकांड)
2. वनयप का
3. क वतावली (केवल उ राखंड)
4. गीतावली (बालका डसे अयो याकांड)

एक चार या याओं से स बंधित होगा| येक या श से एक-एक या या होगी|

तुलसीदास क जीवनी से स बंधित एक समी ा मक

तुलसीदास के क व से स बंधित सामा य समी ा मक

तुलसीदास के कसी थ से स बंधित एक समी ा मक

तुलसीदास के दश न, भ , समाज या सं कृति से स बंधित

सहायक थ

1. गो वामी तुलसीदास - रामचं शु ल, ना. . सभा, वाराणसी
2. तुलसीदास और उनका युग - राजपति द , त ानमंडल, वाराणसी
3. तुलसीदास - डॉ. माता सादगु , ह द प रषद, इलाहाबाद
4. तुलसी-दश न- बलदेव साद मि , ह द सा ह य स मेलन, याग
5. तुलसीदास - चं बली पा डेय, ना. . सभा, वाराणसी
6. रामच रतमानस का का य शा ीय अनुशीलन - डॉ. राजकुमार पा डेय, अनुसंधान काशन, जयपुर

7. तुलसी : आधुनिक वातायन से - रमेशकुंतल मेघ
8. तुलसी के भ या म्मकीत - डॉ. वचनदेव कुमार

अ म्पप - निबंध

1. कसीएक सा ह यक्वषयप्पर एक निबंध लिखना है|
2. निबंध के वषयएम.ए. ह दक्के स पूणपा य मसे स बंधितह गे| म दएगये वषयम से कसीएक वषयक्का चयन करना है|

सं तुतपु तक

1. सा ह यकनिबंध - डॉ. ताफनारायण टंडन, लोकभारती काशन्ड्लाहाबाद
2. सा ह यकनिबंध - डॉ. गणपतिचं गु , लोकभारती काशन्इलाहबाद
3. सा ह यकनिबंध - डॉ. भुवनिसंह, ह द चारकसं थान्वाराणसी
4. ह दनिबंध का वकास- डॉ. औंकारनाथ शमा, अनुसंधान काशन्कानपुर
5. ह दनिबंध का इतिहास - दशमा

नवम प : उ गिआधा रत्पया वरणअ ययन

इकाई - १

पया वरण प रभाषाए ` - संरचना, पा र थतिकणालियके काय, उ पादक, योगकताऔर प रवत नक, ऊजा वाहपा र थतिकं - पा र थतिकंश स, आहार ंखलाखा जाल, सतत वकासक अवधारणा पा र थतिकारामिड

इकाई - २

ाकृतिकसंसाधन - नवीनीकरण यो य वायु, जल, मृदा, धरती और व यजीव ोत- नवीनीकरण न करने यो य खनिज कोयला, तेल और गैस पया वरणनि कष और ाकृतिकसंसाधन का उपयोग करने से संबंधित सम याय

इकाई - ३

जैव व वधता प रभाषा- मह व, खपत, उपयोग, उ पादक, सामा जक, नैतिक, स दय और वक , जैव व वधताका मू य जैव व वधताआकष णके क - जैव व वधता का संर ण इन सीटू, ए स सीटू , जैव संपदा, रा ीय और वै क तरपर

इकाई - ४

पया वरण दूषण: प रभाषा कारण, भाव और शमन उपायः वायु दूषण, जल दूषण, मृदा दूषण, वनि दूषण, थम ल दूषण परमाणु खतरे - ठोस अपशि , अ लीय वषा - जलवायु प रवत और लोबल वामि ग, भारत म पया वरण स ब धी नीयम व कानून - पृ वी शिखर स मेलन

इकाई - ५

जनसं या और पया वरण- जनसं या व फोट पया वरण और मानव वा - य एचआईवी /ए स- म हला एवं बाल क याण- लोग का पुनवा स पया वरणीय वा य म सूचना ौ ोगिकी क भूमिका- पया वरण के ति जाग कता